P-308

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-508

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. महाकवि भवभूति का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. नाटक का लक्षण उपस्थापित करते हुए उत्तररामचरितम् की नाटकीय विशेषताओं को विस्तार से लिखिए।

3. नाटक के प्रधान रस विषयक सिद्धांत को बताते हुए उत्तररामचरित में अंगी रस की विस्तृत विवेचना करिए।

4. उत्तररामचरितम् की भाषा शैली पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. निम्नांकित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

किसलयमिव मुग्धं बन्धनाद् विप्रलूनं
हृदयकुसुमशोषी दारुणो दीर्घशोकः।
ग्लपयति परिपाण्डु क्षाममस्याः शरीरं
शरदिज इव धर्मः केतकीगर्भपत्रम्।।

अथवा

शिशुर्वा शिष्या वा यदसि मम तत्तिष्ठतु तथा
विशुद्धेरुत्कर्षस्त्वयि तु मम भक्तिं द्रढयति।
शिशुत्वं स्त्रैणं वा भवतु ननु वन्द्यासि जगतां
गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः।।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. उत्तररामचरितम् की संक्षिप्त कथावस्तु लिखिए।

2. उत्तररामचरितम् के छाया अंक का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

3. भवभूतेः संबन्धाद् भूधरभूतेव भारती भाति। एतत्कृतकारुण्ये किमन्या रोदिति ग्रावा। इस उक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

4. 'तीर्थोदकञ्च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

5. 'सतां केनापि कार्येण लोकस्याराधनं व्रतम्' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

6. उत्तररामचरितम् के आधार पर सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. 'गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिंगं न च वयः' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

8. उत्तररामचरितम् के चतुर्थ अंक का कथासार लिखिए।